Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Hindi
Paper – 9th
Model Paper (Full Marks – 80)

01. आलोचनात्मक प्रश्न (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 15 = 30)

i. 'उर्वशी' का कामाध्याय स्पष्ट कीजिए।

ii. 'उर्वशी' की प्रेम भावना पर प्रकाश डालिए।

iii. उर्वशी अथवा मनु का चरित्रांकन कीजिए।

iv. 'असाध्य वीणा' कविता की समीक्षा कीजिए।

v. कवि के रूप में अज्ञेय का मूल्यांकन कीजिए।

vi. 'सरस्वती पुत्र' कविता की समीक्षा कीजिए।

vii. 'अन्धेरे में' कविता की समीक्षा कीजिए।

viii. 'अन्धेरे में' शीर्षक कविता के शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

ix. 'मुक्तिबोध' की काव्य चेतना पर प्रकाश डालिए।

x. कवि के रूप में नागार्जुन का मूल्यांकन कीजिए।

xi. 'हरिजन गाथा' अथवा 'प्रेत का बयान' शीर्षक कविता की समीक्षा कीजिए।

xii. 'राधा' के शिल्पगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

xiii. 'राधा' काव्य के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

xiv. नेपाली की राष्ट्रीय चेतना पर प्रकाश डालिए।

xv. 'भाई-बहन' शीर्षक कविता की समीक्षा कीजिए।

02. व्याख्याएँ (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 10 = 20)

i. पहले प्रेम स्पर्श होता है, तदन्तर चिंतन भी
प्रणय प्रथम मिट्टी कठोर है, तब वामव्य गगन भी।

ii. रक्त की उतप्त लहरों की परिधि के पार
कोई सत्य हो तो, चाहता हूँ, भेद उसका जान लूँ।

iii. गीत आता है मही से
या कि मेरे ही रूधिर का राग, यह उठता गगन में।

iv. रक्त बुद्धि से अधिक बली है और अधिक ज्ञानी भी,
क्योंकि बुद्धि सोचती और शोणित अनुभव करता है।

v. रूप की आराधना का मार्ग / आलिंगन नहीं तो और क्या है?

vi. भीतर सब गूँगे, बहरे, अर्थहीन जल्पक,
निर्बोध, अयाने, नाटे, पर बाहर जितने बच्चे उतने ही बड़बोले।

vii. किन्त जब-जब जहाँ भी जिसने कुरेदा
नमी पापी और खोदा हुआ रस-संचार।

viii. कामदेव जब भस्म हो गया
रति का क्रन्दन सुन आँसू से तुमने ही तो दृग धोए थे।

ix. अबतक क्या किया / जीवन क्या जिया।

x. खोजता हूँ पठार ----- पहाड़ ----- समुन्दर
जहाँ मिल सके मुझे / मेरी वह खोयी हुई
परम अभिव्यक्ति अनिवार / आत्म सम्भग।

xi. यह अपराध कलंक सुशीले, सारे फूल जला देना।
जननी की जंजीर बज रही, चल तबियत बहला लेना।

03. लघुत्तरीय प्रश्न / लघु टिप्पणियाँ (किन्हीं चार का जवाब दें।):- (4 x 5 = 20)

शिवमंगल सिंह 'सुमन' की काव्य साधना / शिवमंगल सिह 'सुमन' की प्रगतिशी चेतना / आरसी की काव्यप्रवृत्तियाँ / केदारनाथ अग्रवाल की प्रगतिशील चेतना / त्रिलोचन का महत्त्व / त्रिलोचन के सॉनेट / गाँधीवाद कवि भवानी प्रसाद मिश्र / बिम्बों के कवि शमशेर / कवियों के कवि शमशेर / रघुवीर सहाय का कवि कर्म / धर्मवीर भारती का महत्त्व / सर्वेश्वर की प्रेमदृष्टि / विजयदेव नारायण साही की काव्यदृष्टि / दुष्यन्त का महत्त्व / नेपाली की राष्ट्रीय चेतना।

04. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (किन्हीं दस का जवाब दें।):- (1 x 10 = 10)

दिनकर की जन्मतिथि बताइए / दिनकर का पूरा नाम लिखिए / बच्चन का पूरा नाम लिखिए / अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए / त्रिलोचन का वास्तविक नाम लिखिए / नागार्जुन का वास्तविक नाम लिखिए / दिनकर को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला / अज्ञेय को किस कृति पर ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला / हालावादी कवि कौन है? / निम्नांकित कृतियों के रचनाकार का नाम लिखिए:-

कुरूक्षेत्र / रश्मिरथी / रसवंती / हुंकार / इत्यलम् / कितनी नावों में कितनी बार / मधुशाला / इतने पास अपने / साये में धूप / सूर्य का स्वागत / कनुप्रिया / अंधायुग / कुआनो नदी / युग की गंगा / उस जनपद का कवि हूँ।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Hindi
Paper – 10th
Model Paper (Full Marks – 80)

01. प्रश्नोत्तर (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 15 = 30)

i. अन्धेर नगरी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

ii. नाट्यशिल्प की दृष्टि से अन्धेर नगरी की समीक्षा कीजिए।

iii. स्कन्दगुप्त नाटक का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

iv. नाट्यकला की दृष्टि से स्कन्दगुप्त नाटकी की समीक्षा कीजिए।

v. स्कन्दगुप्त नाटक के आधार पर स्कन्दगुप्त अथवा देवसेना अथवा विजया का चरित्रांकन कीजिए।

vi. आधे अधूरे नाटक के कथ्य की समीक्षा कीजिए।

vii. आधे अधूरे के आधार पर सावित्री अथवा महेन्द्रनाथ का चरित्र-चित्रण कीजिए।

viii. अन्धायुग के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

ix. अन्धायुग के आधार पर कृष्ण अथवा गान्धारी अथवा अश्वत्थामा का चरित्र चित्रण कीजिए।

x. ऊसर अथवा चरवाहे अथवा रीढ़ की हड्डी एकांकी की समीक्षा कीजिए।

02. सप्रसंग व्याख्याएँ (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 10 = 20)

i. चूरन साहेब लोग जो खाता। सारा हिन्द हजम कर जाता।
चूरन पुलिसवाले खाते। सब कानून हजम कर जाते।।

ii. सेत सेत सब एक से जहाँ कपूर कपास।
ऐसे देस कुदेस में, कबहुँ न कीजौ बास।।

iii. अधिकार सुख कितना मादक और सारहीन होता है।

iv. राष्ट्रनीति, दार्शनिकता और कल्पना का लोक नहीं है। इस कठोर प्रत्यक्षवाद की समस्या बड़ी कठिन होती है।

v. कवित्व वर्णमम चित्र है, जो स्वर्गीय भावपूर्ण संगीत गाया करता है।

vi. यह अन्धायुग अवतरित हुआ,
जिसमें स्थितियाँ, मनोवृतित्तयाँ, आत्माएँ सब विकृत हैं।

vii. यह जो पीड़ा ने। पराजय ने। दिया है ज्ञान,
दृढ़ता ही देगा वह।

viii. मेरे अन्दर भी। जो शुभ था, कोमलतम था,
उसकी भ्रूण हत्या / युद्धिष्ठिर के / अर्द्धसत्य ने कर दी।

ix. अपने बारे में इतना कह देना ही काफी है कि सड़क के फुटपाथ
चलते आप अचानक जिस आदमी से टकरा जाते हैं, वह आदमी मैं हूँ।

x. विभाजित होकर मैं किसी न किसी अंश में आपमें से हर एक व्यक्ति हूँ।

03. लघुत्तरीय प्रश्न / लघु टिप्पणियाँ (किन्हीं चार का जवाब दें।):- (4 x 5 = 20)

समस्या नाटककार लक्ष्मीनारायण मिश्र / हरिकृष्ण प्रेमी के ऐतिहासिक नाटक / हमीदुल्लाह की नाट्य दृष्टि / शंकर शेष के नाटक / विपिन कुमार अग्रवाल के विसृंगत नाटक / सुरेन्द्र वर्मा का नाट्य वैशिष्ट्य / भीष्म साहनी का नाट्य अवदान / भीष्म साहनी के नाटकों में प्रगतिशीलता / नन्दकिशोर आचार्य के नाट्य प्रयोग / देहान्तर नाटक का कथ्य / नाटककार मुद्राराक्षस / रमेश बक्षी की नाट्यदृष्टि।

04. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (किन्हीं दस का जवाब दें।):- (1 x 10 = 10)

कामना / एक घूँट / भारत दुर्दशा / आषाढ़ का एक दिन / लहरों के राजहंस / कोणार्क / पहला राजा / सिन्दूर की होली / सन्यासी / राक्षस का मंदिर / देवयानी का कहना है / जूते / गुलाम बादशाह / कोमल गांधार / रक्तबीज / चेहरे / पोस्टर / एक और द्रोणाचार्य / हानूश / माधवी / देवयानी का कहना है / वामाचार / रति का कंगन / लोटस / द्रौपदी।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Hindi
Paper – 11th
Model Paper (Full Marks – 80)

01. आलोचनात्मक (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (4 x 15 = 60)

i. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
ii. उपन्यास के प्रमुख प्रकारों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
iii. आंचलिक उपन्यास के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।
iv. कहानी की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए।
v. निबन्ध के स्वरूप और भेदों पर प्रकाश डालिए।
vi. ललित निबन्ध के वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।
vii. आत्मकथा का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।
viii. आत्मकथा और जीवनी का अन्तर स्पष्ट कीजिए।
ix. जीवनी के विधागत वैशिष्ट्य को रेखांकित कीजिए।
x. जीवनीमूलक उपन्यासों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
xi. संस्मरण के स्वरूप और महत्व पर प्रकाश डालिए।
xii. संस्मरण और रेखाचित का अन्तर स्पष्ट कीजिए।
xiii. रेखाचित्र के स्वरूप और वैशिष्ट्य को स्पष्ट कीजिए।
xiv. रिपोर्ताज के स्वरूप और भेदों पर प्रकाश डालिए।
xv. साक्षात्कार के स्वरूप एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
xvi. डायरी साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
xvii. डायरी साहित्य के महत्त्वर को स्पष्ट कीजिए।
xviii. हिन्दी के प्रमुख डायरी साहित्य का परिचय दीजिए।
xix. डायरी मूलक उपन्यास की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
xx. फणीश्वरनाथ रेणु के रिपोर्ताज साहित्य के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

02. लघुत्तरीय प्रश्न (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 5 = 10)

i. ऐतिहासिक उपन्यास

ii. मनोवैज्ञानिक उपन्यास

iii. अकहानी

iv. नई कहानी

v. समान्तर कहानी

vi. सचेतन कहानी

vii. जेल डायरी

viii. भावात्मक निबन्ध

ix. निबन्ध और लेख में अन्तर

x. साहित्यिक डायरी

03. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (किन्हीं दस का जवाब दें।):- (1 x 10 = 10)

देवरानी जेठानी की कहानी / रानी केतकी की कहानी / ग्यारह वर्ष की कहानी / दुलाईवाली / परीक्षा गुरू / भाग्यवती / देहाती दुनिया / सेवा सदन / निर्मला / त्याग-पत्र / बाणभट्ट की आत्मकथा / झूठा सच / दिव्या / कलम का सिपाही / आवारा मसीहा / बसेरे से दूर / ऋणजल धनजल / मुर्दहिया / अमिता / गबन / परती परिकथा / नीला चाँद / कुटज / आलोक पर्व / बूँद और समुद्र।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
P.G. 3rd Semester Examination 2015 (Session 2014-16)
Subject:- Hindi
Paper – 12th
Model Paper (Full Marks – 80)

01. आलोचनात्मक (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (4 x 15 = 60)

i. दलित साहित्य की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
ii. दलित साहित्य की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।
iii. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी परम्परा पर प्रकाश डालिए।
iv. दलित साहित्य के प्रेरणा स्त्रोतों पर विचार कीजिए।
v. हिन्दी दलित साहित्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।
vi. दलित साहित्य का समाजशास्त्रीय विवेचन कीजिए।
vii. दलित साहित्य के यथार्थबोध की समीक्षा कीजिए।
viii. दलित साहित्य और मार्क्सवाद के अन्तसूत्रों पर विचार कीजिए।
ix. दलित साहित्य की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए।
x. दलित साहित्य में अन्तनिर्हित आर्थिक मान्यताओं का विवेचन कीजिए।
xi. दलित साहित्य की धार्मिक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।
xii. दलित साहित्य की सांस्कृतिक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए।
xiii. दलित साहित्य के विकास में ज्योतिबा फूले के योगदान पर विचार कीजिए।
xiv. दलित साहित्य के प्रेरक के रूप में डॉ० अम्बेदकर के महत्त्व का आकलन कीजिए।
xv. दलित पत्रकारिता के विकास में डॉ० अम्बेदकर के योगदान पर विचार कीजिए।
xvi. दलित साहित्य के विकास में पेरियार की भूमिका पर विचार कीजिए।
xvii. दलित साहित्य के विकास में स्वामी अछूतानन्द की भूमिका पर विचार कीजिए।
xviii. हिन्दी पत्रकारिता में दलित-विमर्श की दिशाओं को स्पष्ट कीजिए।
xix. हिन्दी की प्रमुख दलित पत्रिकाओं का परिचय दीजए।
xx. हिन्दी कथा साहित्य में दलित विमर्श की दिशाओं को स्पष्ट कीजिए।

02. लघुत्तरीय प्रश्न (किन्हीं दो का जवाब दें।):- (2 x 5 = 10)

i. दलित आत्मकथाओं में यथार्थबोध

ii. दलित कविता का मूल स्वर

iii. दलित साहित्य में स्त्री

iv. दलित साहित्य में गैर दलित

v. दलित साहित्य और प्रगतिशीलता

vi. दलित साहित्य पर बौद्ध दर्शन का प्रभाव

vii. मध्यकालीन भक्ति आन्दोलन और दलित

viii. दलित अस्मिता और दलित साहित्य

03. वस्तुनिष्ठ प्रश्न (किन्हीं दस का जवाब दें।):- (1 x 10 = 10)

निम्नलिखित रचनाओं के रचनाकारों के नाम लिखिए:-

अछूत की शिकायत / जूठन / सलाम / अछूत / दलित ब्राह्मण / रंगभूमि / सवा सेर गेहूँ / ठाकुर का कुँआ / विराम चिन्ह / सदियों का सन्ताप / बरस। बहुत हो चुका / दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र / चतुरी चमार / हरिजन गाथा / मोची राम / कर्ज / लाठी / सौभाग्य के कोड़े / कहीं धूप कहीं छाया / वीरांगना झलकारी बाई / उधार के लोग / मुर्दहिया / प्रेमचन्द की नीली आँखें / आवाजें / सिलिया / साजिश / अपना गाँव / प्रमोशन / यह अन्त नहीं / अम्मा।